प्रकाशनार्थ

गोलमेज चर्चा : बिहार के आर्थिक विकास की संभावना।

पटना, 01 जुलाई। आद्री स्थित सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट (सीएसईसी) ने आज काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) के साथ 'बिहार के आर्थिक विकास की संभावनाएं' विषय पर एक गोलमेज परिचर्चा का आयोजन किया, जिसमें 'लो कार्बन डेवलपमेंट पाथवे फॉर बिहार' परियोजना के तहत शमन विश्लेषण का नेतृत्व किया।

आद्री के सदस्य सचिव प्रोफेसर प्रभात पी घोष ने बिहार के आर्थिक विकास की झलक के साथ उपस्थित लोगों का स्वागत किया। विशेष संबोधन में, बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (बीएसपीसीबी) के अध्यक्ष प्रोफेसर अशोक कुमार घोष ने कृषि क्षेत्र पर निर्भरता को कम करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और एक हरियाली और टिकाऊ तरीके से बिहार के आर्थिक विकास दर के पूरक के लिए पारंपरिक ऊर्जा के अलावा वैकल्पिक स्रोतों के उपयोग का प्रस्ताव दिया। का।

सीईपीपीएफ, आद्री के डॉ. बख्शी अमित कुमार सिन्हा ने भारत के संबंध में बिहार की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों और लोक वित्त के ऐतिहासिक विकास पैटर्न और प्रबंधन के साथ-साथ क्षेत्रीय आर्थिक विकास दर पर चर्चा की।

सीईईडब्ल्यू के फेलो डॉ. वैभव चतुर्वेदी ने बिहार राज्य के लिए विभिन्न सामाजिक-आर्थिक मापदंडों के माध्यम से भविष्य की ऊर्जा प्रणाली और उत्सर्जन को समझने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में डॉ. हरिश्वर दयाल, डायरेक्टर इन चीफ, सेंटर फॉर फिस्कल स्टडीज, झारखंड सरकार, प्रो. शंकर कुमार भौमिक, निदेशक, पाटलिपुत्र स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, प्रो. अनिर्बान सेनगुप्ता, सहायक प्रोफेसर, आईआईएम बोधगया और सीईपीपीएफ और सीएसईसी, आद्री और सीईईडब्ल्यू के संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

(अंजनी कुमार वर्मा)